B-201-E: हिन्दी शिक्षण पाठ्यक्रम

Internal Assessment: 30 marks **External Assessment**: 70 marks

Note: The Question paper is divided into four sections. Section-A contains Multiple Choice Objective questions of one mark each. Section-B contains Very Short Answer questions of 2 marks each, Section-C contains Short Answer questions of four marks each and Section-D contains Long Answer questions of 15 marks each. Attempt all questions of Section-A and Section-B, any five questions out of seven from Section-C and two questions out of four from Section-D. Answer of very short answer questions (Section-B) should be maximum of 25 words only. Answer of short answer questions (Section-C) should not exceed 150 words.

हिन्दी शिक्षण पाठ्यक्रम के उद्देश्यः–

1- भाषा के महत्व से अवगत कराना।
2- शुद्ध भावाभिव्यक्ति की योग्यता का विकास करना।
3- शुद्ध साहित्य के सृजन के गुणों का विकास करना।
4- भाषायी कुशलता का विकास करना।
5- हिन्दी की विभिन्न विधाओं से अवगत कराना।
6- भाषा शिक्षण की विधियों से अवगत कराना।
7- हिन्दी पाठन, लेखन, उच्चारण और वर्तनी की शुद्धता से अवगत कराना।
8- हिन्दी शिक्षण की नवीन विभिन्न सहायक सामग्रियों से अवगत कराना।
9- हिन्दी में मूल्यांकन की दक्षता से अवगत कराना।
10- हिन्दी में पाठ्य सहगामी क्रियाओं से अवगत कराना।

इकाई	विषय–वस्तु	गतिविधि / अभ्यास क्रम
1. भाषा शिक्षण का महत्व	अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, महत्व, विशेषताएँ, उद्भव और विकास, सामान्य उद्देश्य और भारतीय संविधान में भाषा का स्थान। हिन्दी शिक्षण की मुख्य विधाओं का अर्थ प्रकार एवं महत्व, उपयोगिता गद्य शिक्षण, पद्य शिक्षण, व्याकरण शिक्षण कहानी निबंध, नाटक।	समूह चर्चा वाद–विवाद शैक्षिक पत्र–पत्रिकाओं का सम्पादन
2. हिन्दी शिक्षण की विधियाँ	भाषा के रूप– मौखिक भाषा एवं लिखित भाषा, महत्व उद्देश्य, आवश्यक गुण। अर्थ, प्रकार, गुण, दोष, आवश्यकता एवं विशेषताएँ वाचन– अर्थ, परिभाषा, महत्व, प्रकार	वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का निर्माण क्रियात्मक शोध
3. हिन्दी शिक्षण में नवाचार	पठन, लेखन, उच्चारण, वर्तनी अभिप्राय महत्व व आवश्यकता	कम्पयूटर में पाठ योजना का प्रारूप तैयार करना।

	नवाचार– अर्थ, परिभाषा, प्रकार और उपयोगिता।	मॉडल का निर्माण।
	हिन्दी में कम्प्यूटर का प्रयोग एवं नवीन दृश्य–श्रव्य सामग्रियों का अर्थ, प्रकार, उपयोगिता, आवश्यकता।	प्रश्न मंच का आयोजन।
	हिन्दी शिक्षक के गुण, कर्त्तव्य, महत्व, दायित्व।	प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर की पुस्तकों में कमियाँ एवं सुधार के सुझाव।
4. पाठ्य–पुस्तकें एवं पाठ योजना	हिन्दी भाषा शिक्षण में पाठ्य सहगामी क्रियाओं से अभिप्राय, प्रकार, महत्व एवं आवश्यकता।	जागरूकता अभियान रैली का आयोजन।
	पाठ्य पुस्तकों का अर्थ, आवश्यकता, प्रकार, आन्तरिक एवं बाह्य गुण और आलोचना।	
5. निदानात्मक शिक्षण	सूक्ष्म शिक्षण एवं वास्तविक कक्षा शिक्षण में अन्तर, पाठ योजना का अर्थ, परिभाषा प्रकार, महत्व, सोपान।	संगोष्ठियों का आयोजन।
	निदानात्मक शिक्षण का अर्थ, प्रकार, आवश्यकता एवं महत्व।	क्षेत्र भ्रमण एवं शोध कार्य।
	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान एवं शिक्षण उपचार।	
6. मूल्यांकन एवं क्रियात्मक शोध	निःषक्तता का अर्थ, कारण, प्रकार, निदान, सुविधाएँ एवं उपलब्धियाँ।	
	मूल्यांकन का अर्थ, प्रकार, आवश्यकता, महत्व।	
	हिन्दी में क्रियात्मक शोध अभिप्राय, परिभाषा, उपयोगिता।	

पाठ्य पुस्तकेः–

1. हिन्दी शिक्षण – शिक्षा चतुर्वेदी
2. हिन्दी शिक्षण के आधार– डॉ0 सरोज अग्रवाल
3. हिन्दी शिक्षण – डॉ0 रामशकल पाण्डे
4. हिन्दी शिक्षण – गिरीश पचौरी, सीमा शर्मा